

हॉस्पिटल और क्लिनिक फंडिंग के लिए दस्तावेज़ों की चेकलिस्ट

यह सूची उन डॉक्टरों और हेल्थकेयर प्रमोटरों के लिए है जो नया हॉस्पिटल, नर्सिंग होम, क्लिनिक या डायग्नोस्टिक सेंटर शुरू कर रहे हैं या उसका विस्तार कर रहे हैं। ऋणदाता और बैंकों की स्कीमें अलग-अलग होती हैं, इसलिए अपनी सुविधा पर लागू दस्तावेज़ साथ लाएँ।

Biz Corp Solutions · bizcorps.in/hi/checklists/hospital-funding/ · 98233 33124

01 संस्था और प्रमोटरों का KYC

- ☐ सभी प्रमोटरों, पार्टनरों, डायरेक्टरों या ट्रस्टियों का PAN और Aadhaar
- ☐ संस्था के दस्तावेज़: पार्टनरशिप डीड, MoA व AoA, या ट्रस्ट डीड
- ☐ लोन लेने की मंजूरी देने वाला प्रस्ताव
कंपनी और ट्रस्ट के लिए; ट्रस्ट के पास लोन लेने का अधिकार होना चाहिए।
- ☐ MSME होने पर Udyam रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट
उदाहरण के लिए, Bank of Maharashtra की डॉक्टरों वाली स्कीम में यह ज़रूरी है।

02 डॉक्टरों की योग्यता

- ☐ प्रमोटर डॉक्टरों के डिग्री सर्टिफिकेट (MBBS, BDS, BAMS आदि)
- ☐ मेडिकल काउंसिल रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट
- ☐ डिग्री के बाद के अनुभव का प्रमाण
कुछ स्कीमों में कम से कम 2 वर्ष का अनुभव माँगती हैं।
- ☐ सुविधा से जुड़े कंसल्टेंट डॉक्टरों का विवरण

03 रजिस्ट्रेशन और मंज़ूरियाँ

- ☐ Maharashtra Nursing Homes Registration Act, 1949 के तहत रजिस्ट्रेशन
पहले Bombay Act के नाम से जाना जाता था; जाँच लें कि सर्टिफिकेट वैध है।
- ☐ MPCB से बायोमेडिकल वेस्ट ऑथराइज़ेशन
- ☐ फ़ायर NOC
- ☐ X-ray, CT और अन्य रेडियोलॉजी उपकरणों के लिए AERB लाइसेंस
ऐसे उपकरण खरीदने से पहले AERB की प्रोक्योरमेंट परमिशन भी ज़रूरी है।
- ☐ जहाँ लागू हो, PC-PNDT Act के तहत अल्ट्रासाउंड रजिस्ट्रेशन
- ☐ हॉस्पिटल उपयोग के लिए बिल्डिंग मंजूरी और ऑक्यूपेंसी सर्टिफिकेट (OC)
- ☐ यदि हो, तो NABH एक्क्रेडिटेशन सर्टिफिकेट

04 वित्तीय विवरण और संचालन (चालू सुविधाएँ)

- ☐ पिछले 3 वर्षों के ऑडिटेड वित्तीय विवरण
- ☐ इनकम टैक्स रिटर्न (ITR)
एक से अधिक वित्तीय वर्ष से चल रही यूनिट्स के लिए SBI ITR अनिवार्य मानता है।
- ☐ रजिस्टर्ड हों तो GST रिटर्न
- ☐ बेड ऑक्क्यूपेंसी, ARPOB और रेवेन्यू मिक्स का डेटा
- ☐ पेयर मिक्स: कैश, बीमा और सरकारी स्कीमों का हिस्सा
- ☐ PM-JAY, MJPJAY, बीमा कंपनियों और TPA के एम्प्लॉयमेंट लेटर
- ☐ बीमा और स्कीम क्लेम की बकाया राशि की एजिंग

05 प्रोजेक्ट और उपकरण

- ☐ बेड संख्या, स्पेशियलिटी और रैंप-अप योजना के साथ प्रोजेक्ट रिपोर्ट
- ☐ मेडिकल उपकरणों के कोटेशन
- ☐ सिविल और फ़िट-आउट लागत के अनुमान
- ☐ परिसर की टाइटल डीड या रजिस्टर्ड लीज़

ध्यान देने योग्य बातें

- अधूरी या एक्सपायर हो चुकी मंजूरीयाँ देरी की आम वजह हैं, इसलिए आवेदन से पहले उन्हें रिन्यू करा लें।
- योग्यता और KYC दस्तावेज़ आम तौर पर हर प्रमोटर डॉक्टर और गारंटर के लगते हैं।
- स्व-सत्यापित कॉपियाँ तैयार रखें, और ऋणदाता के सत्यापन के लिए मूल दस्तावेज़ भी।
- ऋणदाता स्टाफ़िंग प्लान, कैचमेंट स्टडी या कोलैटरल दस्तावेज़ जैसी और जानकारी माँग सकते हैं।
- ऋणदाता, लोन राशि और आपकी प्रोफ़ाइल के अनुसार ज़रूरी दस्तावेज़ अलग हो सकते हैं; ऋणदाता इससे ज़्यादा या कम दस्तावेज़ माँग सकता है। इस सूची को शुरुआत के रूप में इस्तेमाल करें और अंतिम सूची ऋणदाता से पक्की करें।

स्रोत

1. [Healthcare Business Loan](#) — State Bank of India
2. [Mahabank Loan Scheme for Doctors](#) — Bank of Maharashtra
3. [The Maharashtra Nursing Homes Registration Act, 1949](#) — Government of Maharashtra
(district portal copy)

4. [Bio-Medical Waste Management Rules, 2016](#) — Ministry of Environment, Forest and Climate Change (via CPCB)
5. [Regulatory requirements for diagnostic radiology facilities](#) — Atomic Energy Regulatory Board

अंतिम समीक्षा: 5 अक्टूबर 2026।